

उत्तराखण्ड शासन
औद्योगिक विकास अनुभाग-2
संख्या: 3033/VII-II/09/262-उद्योग/2009
देहरादून: दिनांक 02 फरवरी 2010

अधिसूचना

औद्योगिक विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-387/697-उ0नि0/पी0एस0/आई0डी0 दिनांक 20.12.2006 के द्वारा विशेष औद्योगिक क्षेत्र अधिसूचित किये जाने विषयक जारी नीति/दिशा निर्देशों के अधीन उद्योग निदेशालय के संस्तुति पत्रांक: 4115/उ0नि0(पांच)-मैगा प्रोजेक्ट/09-10 दिनांक 19 नवम्बर 2009 के संन्दर्भ में मै0 हिमालयन मिनरल वाटर्स प्रा0लि0 को अपनी ग्रुप कम्पनियों के साथ मैगा प्रोजेक्ट के अन्तर्गत एयर कण्डीशनर्स, एअर कण्डीशनर्स कॉयल, ऑटो रेडियेटर्स, स्ट्रक्चरल स्टील फैब्रीकेशन, कम्पोनेन्ट्स उत्पादों के विनिर्माण हेतु उनकी ग्रुप कम्पनी मै0 लायड इलेक्ट्रिक एण्ड इंजीनियरिंग प्रा0 लि0, मै0 परफैक्ट रेडियेटर्स एण्ड आयल कूलर्स प्रा0लि0 तथा मै0 पी0एस0एल0 इंजीनियरिंग प्रा0 लि0 के लिए संयुक्त रूप से ग्राम-सलेमपुर महदूद द्वितीय, परगना रुड़की, तहसील व जिला हरिद्वार में जिसके खसरा नंबर निम्न तालिका में अंकित हैं, में स्थापित करने हेतु भूमि को विशेष औद्योगिक क्षेत्र अधिसूचित किये जाने हेतु निम्नलिखित प्रतिबन्धों एवं शर्तों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय विशेष औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विनियमित/अधिसूचित करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

राजस्व ग्राम का नाम	खसरा नंबर	भूमि का क्षेत्रफल (हैक्टेअर में)
ग्राम-सलेमपुर महदूद द्वितीय परगना रुड़की तहसील व जिला हरिद्वार	1511, 1512, 1519, 1525 व 1527	3.6.36 हैक्टेअर

1- GIDCR-2005 में औद्योगिक ईकाई के भवन निर्माण के लिये दिये गये मानकों विधियों/उपविधियों व उपबन्धों का पालन करना होगा।

2- विशेष औद्योगिक आस्थान के नियोजित विकास हेतु धारा-143 ज0वि0 अधि0 के अन्तर्गत (1) कृषि भूमि का भू-उपयोग औद्योगिक भूमि में परिवर्तन सुनिश्चित कराना होगा और (ii) तत्पश्चात् विशेष औद्योगिक आस्थान तथा उसमें स्थापित होने वाली तीनों औद्योगिक इकाईयों के भवन मानचित्र सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृत कराने होंगे।

3-विशेष औद्योगिक आस्थान के रख-रखाव, अवस्थापना सुविधाओं के विकास तथा अन्य नागरिक सुविधाओं का दायित्व, आस्थान के प्रवर्तक तथा ग्रुप कम्पनियों का होगा।

4- आवेदक कम्पनी द्वारा अर्जित भूमि के खसरा संख्या 1511, 1512, 1519, 1525 व 1527 भारत सरकार वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना संख्या-50/2003-सीई दिनांक 10 जून 2003 के Annexure-II में Category-D "Expansion of the Existing Industrial Estates./Area" के रूप में क्रमांक-1 पर ग्राम सलेमपुर महदूद द्वितीय के सम्मुख स्तम्भ-4 में अधिसूचित है तथा इन खसरा नम्बरों पर स्थापित होने वाले प्रस्तावित उद्योग को भारत सरकार द्वारा घोषित विशेष पैकेज में प्रदत्त वित्तीय प्रोत्साहनों का लाभ अर्हता पूर्ण करने पर अनुमन्य होगा।

5- प्रवर्तक कम्पनी की ग्रुप कम्पनियों द्वारा प्रस्तावित उद्योगों के विनिर्माण किये जाने वाले उत्पाद भारत सरकार, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के कार्यालय ज्ञाप दिनांक 7.1.2003 के एनेक्चर-III में दिये नकारात्मक सूची में सम्मिलित नहीं है।

6- आवेदक कम्पनी मै0 हिमालयन मिनरल वाटर्स प्रा0लि0 द्वारा अर्जित भूमि अपनी ग्रुप कम्पनियों को प्रस्तावित उद्योग की स्थापना के लिए विक्रय/लीज में दी जानी है, जिसके लिए नियमानुसार विधिक रूप से लीज सेल डीड का निष्पादन किया जाना वांछनीय होगा।

7- विशेष आस्थान को विकसित करने के लिये विभिन्न विभागों जैसे वन एवं पर्यावरण विभाग, राजस्व विभाग, अग्निशमन विभाग, उत्तरांचल पावर कारपोरेशन आदि से वांछित विभिन्न स्वीकृति/अनुमति/अनुमोदन/अनापत्ति आदि जो भी वांछित औपचारिकतायें अपेक्षित होंगी, वह प्रवर्तक/कम्पनी द्वारा स्वयं प्राप्त की जायेंगी।

8- कय की जाने वाली भूमि का उपयोग एयर कण्डीशनर्स, एअर कण्डीशनर्स कॉयल, ऑटो रेडियेटर्स, स्ट्रक्चरल स्टील फैब्रीकेशन, कम्पोनेन्ट्स उत्पादों के विनिर्माण की उक्त इकाईयों की स्थापना हेतु ही किया जायेगा।

9- आवेदक तथा उसकी सभी गुप कम्पनियां उद्योग स्थापना से पूर्व यह अण्डरटेकिंग लिखित देगी कि आस्थान में उद्योग स्थापना के उपरांत 70 प्रतिशत रोजगार/सेवायोजन स्थानीय व प्रदेश के लोगों को उपलब्ध कराया जायेगा तथा भूमि/भूखण्ड की सेलडीड/लीज डीड में भी इस शर्त को उल्लिखित किया जायेगा।

10- विशेष औद्योगिक आस्थान के विकास हेतु औद्योगिक विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन तथा निदेशक, उद्योग, उत्तराखण्ड द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों यथा: प्रदेश की औद्योगिक नीति के अन्तर्गत ऐसी औद्योगिक इकाईयाँ, जिन्हें राज्य सरकार द्वारा हतोत्साहित किया जा रहा है अथवा जो भारत सरकार की नकारात्मक सूची में सम्मिलित है, की स्थापना विशेष औद्योगिक आस्थान में नहीं की जायेगी।

11- उपरोक्त उल्लिखित प्रतिबन्धों/शर्तों का उल्लंघन करने पर अथवा किसी कारणों से जिसे शासन उचित समझता हो सक्षम अधिकारी के अनुमोदन से यह अधिसूचना (नोटिफिकेशन) निरस्त किया जा सकता है।

(पी0सी0शर्मा)

प्रमुख सचिव

पृष्ठांक संख्या: 3033 (1)/VII-II/09/262-उद्योग/2009 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. प्रमुख सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
2. स्टाफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
3. संयुक्त सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक नीति संवर्द्धन विभाग), उद्योग भवन, नई दिल्ली।
4. निदेशक, उद्योग, उत्तराखण्ड, उद्योग निदेशालय, पटेलनगर, देहरादून।
5. अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड राज्य ऊर्जा निगम, ऊर्जा भवन, देहरादून।
6. मुख्य अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, देहरादून।
7. अध्यक्ष, समस्त उद्योग संघ, उत्तराखण्ड, देहरादून।
8. जिलाधिकारी, हरिद्वार।
9. प्रबन्ध निदेशक, सिडकुल, देहरादून।
10. मुख्य नगर एवं ग्राम नियोजक, उत्तराखण्ड, देहरादून।
11. सचिव, उत्तराखण्ड पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, देहरादून।
12. महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र, रुड़की (हरिद्वार)।
13. श्री आर0बी0 पुंज, निदेशक, मै0 हिमालयन मिनरल वाटर्स प्रा0 लि0 सेलाकुई देहरादून।
- ✓ 14. NIC, उत्तराखण्ड, सचिवालय परिसर को इस अनुरोध के साथ कि उक्त अधिसूचना को बेवसाईट में प्रकाशित करने का कष्ट करें।
15. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(पी0सी0शर्मा)

प्रमुख सचिव।